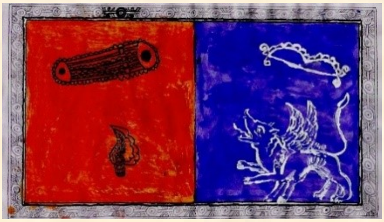
ISSN 2229-547X VIDEHA
⡇⠢⠝⠑⠓: ३५५ ⠍ ⠁ ⠬ ०१ ⠁⠱ ⠁⠿⠻⠹⠗ २०२२
(⡇⠗ ⠈⠿ १५ ⠍⠔⠎ १७७ ⠁ ⠬ ३५५)
(⡇⠢⠝⠑⠓ www.videha.co.in_)

⡇⠢⠝⠑⠓ ⠍⠢⠝⠊⠇⠢ ⠊⠔⠓⠊⠻ ⠈⠿ ⠔⠗ ⠈⠝⠕⠇⠗:
⠍⠔⠗⠤⠿⠢⠍⠊⠓ ⠊⠬⠊ ⠈⠱ ⠐⠗⠻⠔⠍ ⠁



⡇⠢⠝⠑⠓– ⠏ ⠈⠗⠹⠍ ⠍⠢⠝⠊⠇⠢ ⠏⠔⠟⠊⠱ ⠢–
⠏⠫ ⠈⠗⠊⠱⠔

⠊⠍ ⠈⠏⠔⠹⠱: ⠿⠾⠑⠗ ⠈⠹ ⠈⠗ ⠺⠔⠱⠤⠗⠹



[illegible braille] (©) [illegible braille]

(c) २०००- २०२२। [illegible braille] २००० [illegible braille]
http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html ,
http://www.geocities.com/ggajendra [illegible braille] २००८ [illegible braille]
http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html [illegible braille] (
http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html [illegible braille], [illegible braille] wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- http://videha.com/ [illegible braille] / [illegible braille])।

[illegible braille] २००८ [illegible braille] http://www.videha.co.in/ [illegible braille] "[illegible braille]" [illegible braille]

[illegible])
editorial.staff.videha@gmail.com [illegible]
[illegible] ०६ [illegible] १३ [illegible] www.videha.co.in [illegible]

Videha e-Journal: Issue No. 355 at www.videha.co.in



[illegible]

⠋⠂⠝⠊⠣⠄ ⠃⠝⠯⠗ ⠰⠿⠰⠈⠰⠻⠻⠄ ⠣⠂⠫⠗⠿⠕⠄ ⠃⠝⠯⠗
⠜⠣⠂⠫⠈⠱ ⠳⠻⠥⠋⠻⠈⠫⠄ ⠤⠅ ⠈⠫⠧⠕⠻⠤ ⠋⠕⠻⠥⠯⠂⠋⠂⠳
⠣⠅⠣⠉⠅ ⠐⠗⠫⠕⠋⠈⠱

⠁⠅ ⠁⠅⠗ ⠅⠍⠁⠃⠜ (⠜⠅⠗ ⠅⠜⠍⠁⠓)

⠫⠂⠳⠤⠁⠻ ⠅⠑⠫⠈⠫⠓⠂ ⠅⠕⠤⠂ ⠫⠣⠤ ⠅⠊⠫⠈⠫⠊⠧⠇⠈⠃⠂
⠏⠣⠗⠑⠊⠱ ⠁⠅ ⠁⠅⠗ ⠅⠍⠁⠃⠜⠗⠋⠁⠃ ⠫⠤ ⠏⠤⠈⠉⠕ ⠃⠻⠈⠣⠂ ⠻
⠝⠑⠂ ॥ (⠅⠔⠗⠈⠫⠊⠃⠫⠗ ⠏⠈⠗⠝⠏⠄ ⠏⠃ ⠈⠃⠇⠄ ⠏⠓⠊⠃
⠝⠕⠓⠕⠱)

⠋⠕⠻⠑ ⠜⠅⠗ ⠗⠳⠏⠂ ⠅⠜⠋⠈⠓ ⠻⠊⠗⠈⠋⠕⠰ ⠅⠂ ⠕⠊⠏⠗
(⠿⠝⠈⠿⠤⠏⠝⠈⠿ ⠗⠳⠏⠂) ⠋⠅⠉ ⠰⠄ ⠻⠂ ⠃⠕⠻⠈⠓⠃ ⠰⠕⠿ ⠫⠄
⠔ ⠫⠈⠗⠂⠃⠥⠧⠻⠗⠳⠏⠂ ⠏⠑⠫⠈⠗⠋⠑ ⠕⠅⠗ ⠅⠔⠗⠈⠫⠊⠗⠳⠏⠂
⠇⠫⠈⠫⠂ ⠅⠑⠻⠕ ⠏⠣⠗⠫⠱

⠁⠻⠤⠅ ⠈⠗⠋

⠔⠁ ⠭⠋⠑ ⠁⠑⠔⠊⠤

ऽ⠒⠣⠋ ⠈⠏⠕⠝⠅⠔⠿/ ⠁ ⠭ ३३.४ ⠏⠗ ⠿⠊⠏ ⠈⠏⠼⠄

ऽ⠒ऽ⠒⠣⠋ ⠈⠏⠕⠝⠅⠔⠿⠤ ⠿⠰⠑⠻ ⠈⠝ ⠈⠗ ⠐⠕⠅⠤⠗

ऽ⠒२⠒⠁ ⠭ ३३.४ ⠏⠗ ⠿⠊⠏ ⠈⠏⠼⠄

२⠲⠛⠙ ⠈⠽ ⠅⠼⠈⠫

२⠲१⠲⠟⠂⠗ ⠈⠛⠇⠏ ⠇⠗⠈⠼– ⠁⠿⠈⠟⠂ ⠝⠂⠅⠏ (⠃⠏⠿– ७)

२⠲२⠲⠝⠏⠲ ⠃⠂⠋⠂⠟ ⠇⠥⠋⠏⠗ ⠴⠏– ⠟⠢⠏⠇⠥⠂ ⠃⠏⠊
⠏⠈⠗⠼⠂⠾ ⠇⠗⠈⠼⠃⠏⠗⠋⠁ ⠝⠂⠙⠂⠇⠄ ⠁⠟⠥⠥⠏⠙ (⠃⠏⠿–३)

२⠲३⠲⠗⠃⠠⠟ ⠈⠙⠈⠗ ⠟⠏⠗⠏⠿⠼ ⠏⠂⠝⠈⠗– ⠏⠏⠾⠂⠗⠃⠢⠋⠂
(⠥⠋⠟ ⠈⠿⠏⠊)– ५२⠋ ⠅⠑⠋

२⠲४⠲⠏⠈⠗⠑⠋⠙⠇⠗ ⠴⠏ "⠏⠥⠟"– ⠇⠕⠇ ⠏⠊⠈⠙⠏⠇⠑⠆
⠅⠑⠆⠟⠈⠗ ⠟⠥⠏⠙⠏ ⠅⠑⠆ ⠏⠏⠄ ⠢⠟⠢⠼⠈⠼ ⠙⠑⠥⠂ ⠃⠿⠥⠾⠄
⠊⠈⠙⠏⠟

२⠲५⠲⠃⠥⠥⠟⠑⠙⠈⠥⠗ ⠉⠖⠗⠊⠂⠈⠿⠏ "⠃⠥⠟⠑⠝"– ⠙⠢ ⠼⠏
⠃⠠⠢⠟⠂ ⠅⠙⠏

२⠲६⠲⠇⠥⠋⠏⠗ ⠏⠟⠕⠢ ⠅⠙⠈⠿⠏– २ ⠼⠏ ⠇⠑⠤⠇⠙⠏

२⠲८⠲⠝⠆⠃⠥ ⠇⠥⠋⠏⠗ ⠊⠂⠆⠢– ⠙⠂⠋⠇ ⠅⠕⠢

२⠲९⠲⠝⠂⠥ ⠝⠅⠗– ⠅⠙⠏– ⠏⠏⠙⠗

२⠲१०⠲⠜⠩⠔⠿ ⠁⠝⠉⠊⠝⠈⠓⠜⠗– ⠏⠎⠗⠇ ⠘⠈⠗⠍ ⠨⠞⠈⠍
⠓⠑⠞⠌⠠ ⠛⠚⠇⠅ ⠎⠰⠙⠗⠈⠘⠍⠑

३⠲⠏⠙⠈⠽ ⠨⠼⠈⠫

३⠲१⠲⠗⠜⠚ ⠅⠊⠩⠕⠗ ⠍⠊⠩⠈⠗–⠅⠓⠳, ⠥⠏⠗⠜⠛ ⠙⠊⠁⠊
⠅⠅⠗⠜ ?

३⠲२⠲⠩⠊⠧ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜ ⠾⠊⠇⠈⠇⠳– ३ ⠾⠜ ⠏⠙⠈⠽

३⠲३⠲⠎⠍⠞⠜ ⠅⠥⠍⠜⠗⠔– ⠍⠊⠹⠊⠇⠜ ⠓⠍⠈⠍⠗

३⠲४⠲⠫⠜ ⠚⠊⠽⠜⠥⠗ ⠗⠓⠍⠜⠝ ⠚⠜⠖⠗⠔– २ ⠾⠜ ⠜⠚⠜⠙ ⠛⠚⠇

४⠲⠎⠰⠎⠈⠅⠐⠗⠞ ⠨⠼⠈⠫

8⠲ʃ⠲⠫⠜⠲ ⠙⠔⠏⠊⠅⠜– ⠉⠍⠈⠏⠳⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽⠽⠩⠕ ⠧⠊⠇⠜⠎.
(⠙⠈⠧⠊⠞⠔⠽⠕⠉⠈⠡⠧⠜⠎.)



⠎⠍⠈⠏⠜⠙⠅⠔⠽



⠛⠚⠑⠝⠈⠙⠈⠗ ⠺⠜⠅⠥⠗

ऽ

⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽ ⠁⠅⠜⠙⠑⠍⠔, ⠙⠊⠇⠈⠇⠔⠅ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔
⠇⠊⠾⠗⠑⠗⠔ ⠑⠎⠕⠎⠊⠽⠑⠩⠝
⠏⠱⠗⠈⠼ ⠗⠱⠏⠎⠄ ⠛⠥⠏⠈⠞ ⠏⠈⠗⠅⠈⠗⠊⠽⠜⠅ ⠞⠓⠞
⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽ ⠁⠅⠜⠙⠑⠍⠔ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔⠅ ⠙⠱⠾⠜
⠑⠎⠕⠎⠊⠽⠑⠩⠝ (⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽ ⠁⠅⠜⠙⠑⠍⠔⠅
⠩⠃⠈⠙⠜⠧⠇⠔⠍⠑ ⠞⠹⠜⠅⠹⠊⠞ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔
⠇⠊⠾⠗⠑⠗⠔ ⠑⠎⠕⠎⠊⠽⠑⠩⠝)⠅⠑⠄ ⠁⠏⠝ ⠇⠊⠎⠈⠾⠎⠄
⠓⠾⠜ ⠙⠑⠇⠅ ⠜ ⠞⠔⠝ ⠾⠜ ⠛⠑⠗ ⠇⠊⠾⠗⠑⠗⠔
⠑⠎⠕⠩⠊⠽⠑⠩⠝ ⠜⠗ ⠚⠕⠻⠊ ⠙⠑⠇⠅⠲ ⠎⠥⠨⠜⠿⠇
⠚⠜⠊⠞ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔ ⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽⠅ ⠍⠱⠇ ⠮⠜⠗⠜⠅
'⠗⠜⠍ ⠝⠜⠍ ⠎⠞'⠅ ⠏⠈⠗⠜⠗⠍⠈⠘⠅ ⠗⠱⠏⠍⠑ ⠑⠅⠗⠜
⠙⠑⠨⠇ ⠚⠜ ⠗⠓⠇ ⠁⠡⠊⠲
⠏⠥⠗⠝⠅⠜ ⠇⠊⠎⠈⠾:–

1•: The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P•:C•: Banerjee Road, Allahabad-211 002;

2•: The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad,

C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag, Darbhanga-846 004;

3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001;

4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007;

5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004;

6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

[illegible]

(1)The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West Opp. of Primary School,Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Roseberi 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2 Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

A Parallel History of Maithili Literature

२

?

?

३



[illegible]

⠁ ⠏⠝ ⠍ ⠆⠞⠧⠈⠾

editorial ⠲staff ⠲videha@gmail ⠲com

⠏⠗ ⠏⠺⠜⠧⠲

२⠲२⠲⠫⠜⠲ ⠃⠊⠏⠊⠝ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜– ⠍⠓⠜⠅⠧⠊ ⠃⠜⠬ ⠏⠈⠗⠼⠔⠞ ⠅⠗⠈⠼⠃⠜⠗⠍⠈ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔ ⠁⠝⠥⠧⠜⠙ (⠃⠜⠛–३)

⠍⠓⠜⠅⠧⠊ ⠃⠜⠬ ⠏⠈⠗⠼⠔⠞ ⠅⠗⠈⠼⠃⠜⠗⠍⠈ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔ ⠁⠝⠥⠧⠜⠙

(⠞⠂⠗⠞⠔⠽ ⠏⠈⠗⠃⠜⠛)



⠫⠜⠲ ⠃⠊⠏⠊⠝ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜

(⠎⠰⠎⠈⠹⠜⠏⠅ ⠜ ⠎⠍⠈⠏⠜⠙⠅ – ⠚⠜⠓⠈⠝⠧⠔ ⠎⠰⠎⠈⠅⠐⠗⠞ ⠔–⠩⠕⠮⠏⠞⠈⠗⠊⠅⠜)

(⠑⠓⠊ ⠎⠄ ⠏⠳⠗⠈⠧ ⠉⠓⠜⠇⠧⠊ ⠃⠜⠎ ⠅⠑⠗ ⠇⠊⠨⠇ ⠅⠗⠈⠼⠘⠜⠗⠍⠈ ⠚⠑ ⠅⠗⠈⠼⠅ ⠍⠝⠕⠧⠈⠽⠝⠜ ⠏⠗ ⠇⠊⠨⠇ ⠛⠑⠇ ⠏⠈⠗⠜⠉⠔⠝⠞⠍ ⠑⠅⠜⠰⠅⠔ ⠁⠡⠊, ⠎⠰⠎⠈⠅⠐⠗⠞ ⠍⠑⠰ ⠇⠊⠨⠇ ⠑⠓⠊ ⠛⠈⠗⠝⠈⠹ ⠅ ⠕⠓⠊ ⠎⠈⠹⠇ ⠧⠊⠩⠑⠯ ⠞⠅ ⠁⠮⠈⠽⠽⠝ ⠅⠽⠇ ⠚⠞⠽ ⠍⠓⠜⠗⠹⠔ ⠅⠗⠈⠼ ⠁⠏⠝ ⠎⠜⠗⠹⠔ ⠎⠄ ⠝⠊⠧⠑⠙⠝ ⠅⠗⠌⠞ ⠡⠹⠊ ⠚⠞⠽ ⠁⠗⠈⠚⠥⠝ ⠡⠹⠊ ⠕⠞⠓⠊ ⠓⠝⠗ ⠗⠹ ⠅⠑⠰ ⠇⠽ ⠉⠇⠳ ⠑⠞⠜⠧⠞⠈ ⠎⠗⠊⠅ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔ ⠗⠳⠏⠜⠝⠈⠞⠗ ⠏⠿⠝⠑ ⠗⠓⠔ ⠁⠓⠜⠄ ⠎⠃ ⠜⠔ ⠕⠓⠊ ⠎⠰ ⠜⠛⠱)

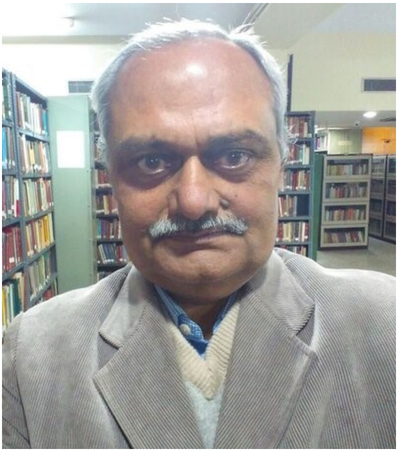
⠅⠗⠈⠼⠄ —— ⠁⠓⠕⠞⠧⠅⠇⠥,

⠅⠗⠈⠼: ⠁⠗⠑ ! ⠔ ⠅⠕⠝⠜,

⠁⠝ ⠈⠿⠕⠝ ⠈⠿⠩⠎ ⠈⠞⠈⠗⠧⠊⠝⠊⠏⠜⠞⠝⠊⠅ ⠐⠗⠞ ⠈⠞⠛⠜

⠞⠈⠗–

editorial ⠲staff ⠲videha@gmail ⠲com



editorial.staff.videha@gmail.com



editorial⠲staff⠲videha@gmail⠲com

२ [illegible] ऊ [illegible] – [illegible]



[illegible]

[illegible]

"[illegible] !
[illegible]"

"[illegible] ? [illegible] ? [illegible] ? "

"[illegible]"

"[illegible] ! "

"[illegible]"

"[illegible], [illegible] ? "

[illegible]

⠇⠾⠌⠅ ⠗⠓⠇ ⠁⠊ ⠫⠊⠝⠊⠽⠜⠄ ⠜ ⠕⠅⠗ ⠃⠑⠾⠜ ,
⠏⠑⠝ ⠈⠫⠥⠇⠍ ⠚⠅⠜ ⠴⠳⠇⠌⠺ ⠲

⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙
⠙⠙⠙⠙⠙

⠁⠨⠃⠜⠗⠅ ⠍⠤⠄ ⠓⠏⠗ ⠑⠅ ⠛⠊⠎ ⠫⠊⠝⠊⠽⠜⠄⠅ ⠇⠑⠓⠳
⠎ ⠇⠹⠏⠹ ⠙⠐⠗⠩ ⠈⠽ ⠁⠊⠡, ⠺ ⠙⠕⠎⠗ ⠙⠊⠎
⠥⠺⠈⠎⠧⠍⠑ ⠍⠜⠺⠇ ⠚⠽⠚⠽⠅⠜⠗ ⠅⠗⠌⠺ ⠝⠔⠅
⠇⠕⠅⠅ ⠙⠐⠗⠩ ⠈⠽ ⠡⠏⠇ ⠁⠊⠡ ⠲ ⠩⠊⠗ ⠈⠯⠅ ⠁⠊⠡
—'⠺⠕⠓⠗⠑ ⠘⠗⠕⠎⠑ ⠃⠐⠻⠍ ⠃⠜⠃⠜ ⠲ ⠙⠙⠙⠙⠙⠙'

⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙⠙

"⠕⠓ ! ⠕⠓ ! ⠃⠝⠈⠙ ⠅⠗⠥ ! ⠔ ⠅⠹⠜⠝⠅ ! "
"⠓⠄, ⠁⠊ ⠎ ⠃⠑⠎⠔ ⠅⠓⠇⠑ ⠅⠔ ⠚⠜ ⠎⠅⠌⠽ ?
⠁⠊ ⠎ ⠜⠛⠳ ⠺ ⠅⠊⠡⠥ ⠅⠗⠃⠜⠅ ⠚⠗⠥⠗⠔ ⠓⠕⠊⠡⠌
⠲"
"⠅⠔ ⠅⠗⠃⠜⠅ ⠚⠗⠥⠗⠔ ⠡⠌ ? "
"⠁⠊ ⠎⠻⠇, ⠍⠜⠺⠇ ⠝⠔⠅ ⠇⠕⠅⠅ ⠙⠥⠝⠌⠽⠜⠄⠅
⠮⠈⠧⠰⠎ ⠜ ⠎⠃⠓⠅⠇⠑⠇ ⠝⠔⠅ ⠙⠥⠝⠌⠽⠜⠄⠅
⠝⠊⠗ ⠈⠍⠜⠼ ⠲"
"⠕⠓ ! ⠅⠺⠑ ⠘⠽⠜⠝⠅ ! ⠑⠓⠝ ⠅⠹⠜⠝⠅
⠃⠚⠜⠗⠍⠑ ⠉⠇⠺⠌ ? "
"⠔ ⠺ ⠁⠓⠜⠄ ⠚⠜⠝⠔ ⠲ ⠓⠍⠗⠜ ⠺ ⠅⠹⠜⠝⠅
⠎⠥⠝⠽⠃⠜⠅ ⠡⠇, ⠎⠑ ⠎⠥⠝⠜ ⠙⠑⠇⠓⠥⠄ ⠲"
"⠑⠝⠜ ⠅⠊⠽⠜ ⠃⠚⠌⠡⠔ ? ⠜⠃ ⠁⠓⠥⠄ ⠓⠍⠗⠜
⠁⠏⠗⠌⠉⠌⠺⠎⠝ ⠃⠥⠴⠜ ⠗⠓⠇ ⠡⠔ ⠲ ⠑⠺⠑⠅ ⠏⠔⠻⠜,
⠑⠺⠑⠅ ⠜⠅ ⠈⠗⠕⠩ ⠁⠓⠜⠄ ⠅⠹⠜⠝⠅⠍⠑ ⠅⠕⠝⠜
⠘⠗⠇ ⠓⠥⠄ ? ⠜⠩ ⠈⠉⠗ ⠈⠽ ⠁⠊⠡ ! "
"⠺⠔⠅ ⠅⠓⠇⠓⠥⠄ ! ⠓⠍⠓⠥⠄ ⠕⠓⠔ ⠿⠥⠛⠔⠝
⠽⠜⠺⠝⠜⠅⠑ ⠑⠅⠾⠜ ⠓⠊⠎⠈⠎⠜ ⠡⠔ ⠲ ⠓⠍⠓⠥⠄
⠑⠅ ⠾⠜ ⠫⠊⠝⠊⠽⠜⠄⠅⠑ ⠃⠑⠾⠜ ⠡⠔, ⠚⠑⠅⠗ ⠍⠜⠿

[illegible]

[illegible]

editorial.staff.videha@gmail.com

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

१

२

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

editorial ·staff ·videha@gmail ·com

[illegible]

२⠲१⠲⠅⠥⠍⠜⠗ ⠍⠝⠕⠚ ⠅⠩⠈⠽⠏– २ ⠾⠜ ⠇⠣⠥⠅⠹⠜



⠅⠥⠍⠜⠗ ⠍⠝⠕⠚ ⠅⠩⠈⠽⠏

२ ⠾⠜ ⠇⠣⠥⠅⠹⠜

१

⠜⠇ ⠏⠜⠝⠊, ⠛⠑⠇ ⠏⠜⠝⠊

⠜⠔ ⠏⠑ ⠅⠍⠔⠩⠝ ⠅⠑ ⠑⠗⠊⠽⠗ ⠃⠄⠾⠑⠇⠌⠲ ⠇⠕⠅
⠝⠊⠗⠜⠩ ⠞' ⠡⠇⠌⠓⠑ ⠚⠑ ⠜⠩⠜⠝⠥⠗⠳⠏ ⠏⠑
⠅⠍⠔⠩⠝ ⠁⠏⠝ ⠗⠊⠏⠕⠗⠈⠾ ⠝⠓⠊⠰ ⠙⠑⠇⠅⠌ ⠜
⠎⠗⠅⠜⠗⠕ ⠜⠩ ⠏⠗ ⠏⠜⠝⠊⠽⠑ ⠐⠻⠜⠗⠇⠅⠌; ⠍⠥⠙⠜
⠁⠏⠝ ⠅⠕⠝ ⠧⠩! ⠚⠌⠓ ⠓⠜⠹ ⠎⠌⠓ ⠎⠜⠹!
⠑⠅⠍⠥⠩⠈⠞ ⠞⠔⠎ ⠓⠚⠜⠗ ⠏⠜⠃⠊ ⠅' ⠕
⠗⠕⠍⠜⠰⠉⠊⠞ ⠘' ⠗⠓⠇ ⠡⠇⠲ ⠚⠑⠃ ⠅⠑ ⠖⠑⠗
⠞⠚⠃⠔⠚ ⠅' ⠅' ⠙⠑⠨⠇⠅⠲⠲⠲⠲⠲ ⠳⠄⠉ ⠃⠥⠴⠜
⠗⠓⠇ ⠡⠌ ⠳⠏⠗ ⠎' ⠲ ⠃⠎ ⠍⠑ ⠏⠭⠅⠑⠾⠍⠜⠗⠔
⠕⠓⠊⠝⠜ ⠃⠑⠎⠔! ⠧⠊⠉⠜⠗⠇⠅ ⠣⠗ ⠚⠑⠃⠜ ⠅⠜⠇
⠏⠌⠣ ⠇⠊⠖⠜⠖ ⠍⠑ ⠗⠜⠨⠊ ⠅' ⠙⠳–⠞⠔⠝ ⠘⠞⠈⠞⠜

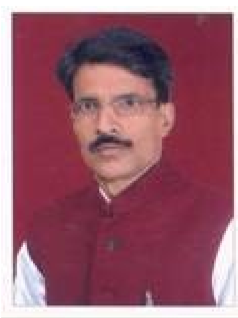
२

–11, –4, –5,

110023 9810811850 / 8178216239

: writetokmanoj@gmail.com

editorial.staff.videha@gmail.com



— 9986890429

editorial .staff .videha@gmail .com

(1)

कथा- 'पाथर'

ओहि परोपट्टामे मिथलेश बाबूक मकानक जोड़ा नहि छल. दूरहिसँ पता चालि जाइत छल. ठोसक कोनो जवाब नहि। झाँटि-बिहाड़िमे पहाड़ जेकाँ ठाढ़. न टस-सँ-मस। मकान एतेक चर्चित छल - जे टोलक नामे मिथिला टोल पड़ि गेल।

मिथलेश बाबूक दलान, खरिहिआन आ घर सभ बड्ड भव्य छल - दलान आ खरिहिआन बेस नमहर। टोलमे कोनो शादी-बिआह हुअए तऽ बरिआतिक लेल हुनकरे दलानक आश्रय छल। हुनकर दलान कतेको बेटीकेँ कन्यादान करवा चुकल छल। लगानक समयमे हुनकर दलानक स्वरूप रंगीन भऽ जाइत छल. वसंतक बयार बहए लागैत छल। चूँकि ओहि टोलमे तेहन कोनो तरहक स्थान नहि छल जतऽ कि कोनो तरहक सामाजिक उत्सवक आयोजन नीक जेकाँ कएल जा सकैत छल, नहि तऽ कोनो तरहक जनवासा छल आ नहि तऽ कोनो तरहक स्कूले छल। हालाँकि एकटा मिडिल स्कूल छल मुदा ओ टोलसँ दूर, बाधमे छल, जेकर कि शादी-बिआहमे कोनो उपयोगीता नहि छल।

मिथलेश बाबूक जमानामे मरवान खरइ वाला मल्लाह सभ मरवानक समयमे, हुनके दरवाजा पर डेरा दैने रहैत छल। टोलमे कोनो पंचैती हुअए तऽ मिथलेश बाबूक दलान पर पंचायतक बैठाड़ होअए।

भदबरिआमे जखन बदरी लागि जाइत छल, तऽ चारि-पाँचटा ताशक पार्टी गुलाम-बीबी-एक्का-दहलाक गणितमे ओझराएल. अपना जोड़ीकेँ जीतेबाक दावेदारीमे एड़ी-चोटीक जोर लगाबए।

(२)

करबनो-काल बीच-बीचमे माहौल गरमा जाइत छल। कोनो-कोनो पार्टी क्षणिक आवेशक बादमे भसिया कड उकटा-पैंची करड लागैत छल। लोक क्षणिक आवेशमे केहन उग्र रूप धारण कड लैत अछि आ केहन विकट परिस्थिति आबि जाइत अछि। एकर छोट-मोट उदाहरण एहिठाम देखबाए पड़ैत छल। मुदा, अंतमे सभ किछु शान्त भड जाइत छल।

मिथिलेश बाबूक आदत छलन्हि-दू टाइम चाय पीबाक-भोर आ साँझमे। ओहि टाइम दलान पर जे कोइ व्यक्ति उपस्थित रहथि, हुनका चाय मिलनाए अनिवार्य बूझू। ताहि हेतु कतेको लोक चाहक लोभे दरवाजा पर पेटकुनिआ देने रहथि।

दलानक आगूमे खरिहिआन बेस नमहर छल। खरिहिआनक चारू काते बेली, चम्पा-चमेली, गुलाब, सींगहार, अड़हुल आदि फूलक गाछ लागल। खरिहिआन कम पुष्पवाटिका अधिक बुझाइत छल। खरिहिआनक चारू काते बाँसक जाफरी लागल आ दूटा गेट छल। दूनू गेट पर अशोकक गाछ-ई गाछ आगान्तुक स्वागतमे सदिखन तैयार रहैत छल। केहनो तमसाएल व्यक्ति हुनकर दरवाजा पर पहुँचि जाइत छल तड हुनकर तामस छू-मंतर भड जाइत छल। हुनकर दलानक हवामे एकटा दोसरे मादिरा मिश्रित छल जाहि मादिराकें पान करलाक उपरान्त मादिरा तामससँ प्रतिक्रिया कड तामसकेँ उदासीन बना दैत छल। खरिहिआनक एक कातमे चापाकल छल, जेकर शीतल आ मधुर जलसँ लोक तृप्ति होएत छल।

दलानक बगलसँ आँगन जएबाक रास्ता छल।

(३)

एहि प्रकारे पूरबसँ दलान आ एकटा घर, उत्तरसँ दूटा घर, पाश्चिमसँ दूटा घर आ दक्षिणसँ दूटा घर— समटा पक्का - पोखरिया-पाटन। चारू कातसँ घर, बीचमे आँगन बेस नमहर। पछबरिया आ उत्तरबरिया कोनमे छत पर जएबाक लेल सीढ़ी छल। घर सभ बेस ऐल-फैल आ बड्ड सुन्दर। घरमे सुख-शांतिक सरिता बहैत छल।

मिथलेश बाबूक स्वभाव बड्ड नीक। हुनक स्वभावमे शामिल छल - शांतचित्त, समाजसेवी, उदारचित्त, परोपकारी, सामाजिक कार्यमे सदिखन आगू रहब, कन्याकेँ शिक्षामे आगू करएमे विशेष योगदान - सचमुच गौ आदमी। तेहने हुनकर धर्मपत्नी - सुशीला देवी। मिथलेश बाबूक खेती-बाड़ी बड्ड विशाल, दरवाजा पर सदिखन एकटा महींस आ एकटा गाय - दूधक लेल। जहियासँ ट्रैक्टर खरीद लेलन्हि ओहि दिनसँ बथान बरदविहीन भऽ गेल।

मिथलेश बाबूकेँ दूटा बेटा - नरेश आ गणेश। दुनूटा बेटा नान्हिटासँ बदमाश - एकटा अगत्ती तँ दोसर खुरलुच्ची। मिथलेश बाबू कतेक प्रयास करएलन्हि - जे बेटा पढ़ि-लिखि मनुक्ख बनि जाए। मुदा दुनू बेटा शपथ खा लेने छल कि सूरज देवता पूरबसँ पाश्चिममे उगाऽ लगताह, पढ़ब नहि, चाहे जे किछु भऽ जाए। हालाँकि मिथलेश बाबू पढ़ाबऽ खातिर दरवाजा पर एकटा मास्टर साहेबकेँ सेहो रखलन्हि, मुदा परिणाम विपरीते रहल। एतेक धरि सफलता मिलल, जे खीचि-तीरि कऽ नरेश आठवाँ तक आ गणेश सातवाँ तक पढ़िकऽ अंगूठा छाप कलंककेँ धोइ देलक

(4)

आ साक्षर बनि गेल। दूनूटा बेटा टोलक लुच्चा-लफंगाक सत्संगमे पड़िकऽ सुपुत्रसँ परिवर्त्तित भऽ कुपुत्र बनि गेल। दूनूटा बेटा बाइक लऽ कऽ दिनभरि चौक-चौराहा आ बाजारमे छिछियाइत रहैत छल। चौकक चाहक दोकान पर गुलछर्रा छोड़इत आ राजनीति पर बकछेदी करैत अपनाकेँ राजनेता सिद्ध करबाक विफल प्रयास करए। मिलै-जुलै कऽ ई दिनचर्या बनि चुकल छल। दूनू बेटाक क्रियाकलाप देखिकऽ मिथलेश बाबूक आ हुनक पत्नीकेँ टेंशन बढ़ल जाइत छल। अंतमे कनिआ परामर्श देलखन्हि - "जे नरेशकेँ विवाह कऽ दिऔक। शायद घर-गृहस्थीमे ओझरा कए सुधरि जाए।" मिथलेश बाबू नरेशकेँ विवाह कऽ देलखन्हि। मुदा नरेश खेती-गृहस्थी देखबाक बदला कनियामे ओझरा गेल. कनियाकेँ आगू-पाछू करए लागल. दिनभरि कनियामे सटल रहैत छल। मतलब कनियाकेँ बॉडीगार्ड बनि गेल।

गणेशक सेहो विवाह करबाक वयस भऽ गेल छल। गणेशकेँ पड़ोसक गाम करनौतीमे एकटा दोसर जातिक कन्यासँ प्रेम-प्रसंग चलैत छल। लड़की नव सांस्कृतिक रंगमे रंगल छल जेकरा ऊपर पाश्चात्य सांस्कृतिक मैल जमल छल. फैशनक बोखार लागल छल लड़की ऊपरसँ गोर मुदा भीतरिया कारी। एहि प्रेम-प्रसंगक बिहाड़ि कतेक बेर उठि चुकल छल। अड़ोस-पड़ोसमे, चौक-चौराहा पर आ मोंगी-मेहरमे सेहो कानाफूसी होमऽ लागल छल। एहि तरहक प्रेम-प्रसंगक चर्चा आगिक लपेटि जेकाँ बहुत तेजीसँ फैलि जाइत अछि। गामक चौक पर एहन खबरिकेँ लोक नूनगर-चहटगर बनाकऽ खूब सुनाबैत अछि. जेना-आइ दूनूटाकेँ

(5)

ओहि बाधमे देखलहुँ, काल्हि बाजारक सिनेमा हॉलमे आ परसू मंदिरक पछुआड़मे। मिथिलेश बाबूकेँ सेहो एहि खबरिकेँ बारेमे एक दिन पता चलि गेल। मिथिलेश बाबू आ हुनक पत्नी गणेशकेँ कतेक बेर समझैबाक प्रयास कएलन्हि परञ्च गणेश नहि मानलक। अंतमे मिथिलेश बाबू मर्माहत भऽ गेलाह आ गणेशकेँ बिआह कऽ देखलन्हि।

वर्ष धरि घर-गृहस्थी सभ ठीके-ठाक चालि रहल छल। बरखक बादमे घरमे खटपटक सुगबुगाहट होमए लागल। दून्नू पुतोहू आ सासमे अनबन शुरु होमए लागल, करखनो काजक लेल आ करखनो कोनो वस्तुक लेल। धीरे-धीरे ई अनबन कहियो-काल महाभारतक रूप लऽ लैत छल। घरमे जतऽ शांतिक सरिता बहैत छल ओतऽ आब अशांतिक आगि लागि गेल। लोक चाहे तऽ नमहर बातकेँ परदासँ झाँपि कऽ ओकरा फूसि बना सकैत अछि आ छोट बातमे मिरचाइ लगाकेँ ओकरा बतंगड़ बना सकैत अछि। जाधरि लोक परिवार आ समाजमे सामंजस्यताक जाल नहि बीनत ताधरि सुख-शांतिक कल्पना करब असंभव अछि। रोज-रोज कलहसँ त्रस्त भए मिथिलेश बाबूक ब्लडप्रेशर हाई रहए लागल, ओ अस्वस्थ भऽ गेलाह। एक दिनक दिलक दौरा पड़लन्हि ओ कालक गालमे समा गेलाह आ स्वर्गवास भऽ गेलाह। एहि सदमासँ पीड़ित हुनक पत्नी अस्वस्थ रहए लगलीह ओ सेहो एक दिन भगवानक घर विदा भऽ गेलीह।

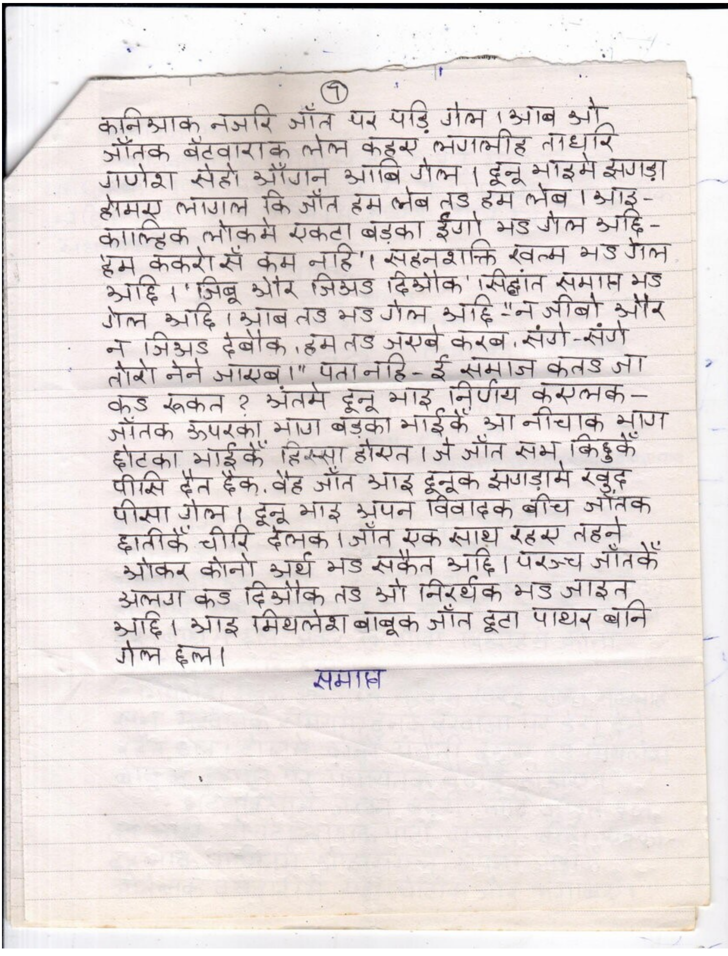
सभ किछु समय पर हुअए तऽ नीक लगैत अछि

(6)

मुदा समयसँ पूर्व होएब आ समयक उपरान्त लड लोकक दिलमे कचोट होइत अछि। ईश्वरक नियमक चक्र समयानुकूल घूमैत अछि. सभ किछु नियत समय पर होइत अछि - समय पर सर्दी, समय पर गर्मी आ समय पर बरसात। मुदा हमरा लोकनि स्वार्थसँ वशीभूत भड कड प्रकृतिकेँ साथ छेड़छाड़ करैत छी। ताहि हेतु परिणाम विपरीत आबि जाइत अछि।

एहि बीच नरेशकेँ एकटा बेटा भड गेल आ गणेशकेँ एकटा बेटी जन्म लेलक। आब घरक महाभारत विकराल रूप धारण कड लेलक. रोज कोनो-न-कोनो फसाद. पानि माथसँ ऊपर भेल जा रहल छल। दुनू भाइ सेहो एक-दोसरकेँ देखड नहि चाहैत छल। अंतमे निर्णय भेल - रवि दिन पाँचटा पंच बजाकड सभ किछुक बँटवारा कड देल जाए। रवि दिन साँझखन पंच सभ अएलाह - बँटबाक प्रक्रिया शुरु भेल। खेत-पथारि, कलम-गाछी, घर-द्वारि सभ किछुक बँटबारा भड गेल। बड़का बेटाकेँ तीनटा घर, छोटका बेटाकेँ तीनटा घर, दलान साझिआ आ एकटा घरक दाम लगाएल गेल। काल्हि तक जे सभ किछु एक जगह छल आइ ओ सभटा दू जगह भड गेल. एक-दोसरसँ सभ किछु अलग भड गेल। बँटैत-बँटैत राति भड गेल आ पंच सभ अपन-अपन घर चालि गेलाह।

दरवाजा परसँ नरेश आँगन आएल. अपना हिस्सामे पड़ल उत्तरबरिया घरक दुहारि पर पड़ल जाँत पर ओकर नजरि पड़ि गेल। एखन धरि जाँतक बँटबारा नहि भेल छल. जाँतपर ककरो नजरि नहि गेल छल। नरेश जाँतकेँ घरमे राखड लागल. तखने गणेशक



(७)

कनिआक नजरि जाँत पर पड़ि गेल। आब ओ जाँतक बँटवाराक लेल कहए लगलीह ताधरि गणेश सेहो आँगन आबि गेल। दूनू भाइमे झगड़ा होमए लागल कि जाँत हम लेब तँ हम लेब। आइ-काल्हिक लोकमे एकटा बड़का ईगो भऽ गेल अछि- हम ककरोसँ कम नहि'। सहनशक्ति खत्म भऽ गेल अछि। 'जिबू और जिअऽ दिऔक' सिद्धांत समाप्त भऽ गेल अछि। आब तँ भऽ गेल अछि "न जीबो और न जिअऽ देबौक, हम तँ मरबे करब, संगे-संग तोरो नेने जाएब।" पता नहि- ई समाज कतऽ जा कऽ रूकत? अंतमे दूनू भाइ निर्णय करलक- जाँतक ऊपरका भाग बड़का भाईकेँ आ नीचाक भाग छोटका भाईकेँ हिस्सा होएत। जे जाँत सभ किछुकेँ पीसि दैत छैक, वैह जाँत आइ दूनूक झगड़ामे खुद पीसा गेल। दूनू भाइ अपन विवादक बीच जाँतक छातीकेँ चीरि देलक। जाँत एक साथ रहए तहने ओकर कोनो अर्थ भऽ सकैत अछि। परन्च जाँतकेँ अलग कऽ दिऔक तँ ओ निरर्थक भऽ जाइत अछि। आइ मिथलेश बाबूक जाँत टूटा पाथर बनि गेल छल।

समाप्त

shivshankar0040@gmail.com

⠁⠏⠝ ⠍⠆⠞⠧⠈⠽

e d i t o r i a l ⠲s t a f f ⠲v i d e h a @g m a i l ⠲c o m

⠏⠗ ⠏⠺⠜⠥⠲

२⠲ऽ०⠲⠜⠩⠔⠯ ⠁⠝⠉⠊⠝⠈⠓⠜⠗— ⠏⠎⠗⠇ ⠃⠈⠗⠍ ⠆⠞ ⠈⠍ ⠓⠑⠞⠌⠄ ⠛⠚⠇⠅ ⠎⠆⠙⠗⠁⠇⠉⠑



<u>⠜⠩⠔⠯ ⠁⠝⠉⠊⠝⠈⠓⠜⠗</u>

<u>⠏⠎⠗⠇ ⠃⠈⠗⠍ ⠆⠞ ⠈⠍ ⠓⠑⠞⠌⠄ ⠛⠚⠇⠅ ⠎⠆⠙⠗⠁⠇⠉⠑</u>

<u>1</u>

<u>⠁⠍⠊⠞⠜⠘ ⠃⠉⠈⠉⠝ **(Amitabh Bachchan)** **2022** ⠍⠑ ⠖⠑⠗ ⠁⠏⠝ ⠎⠤⠏⠗⠓⠊⠾ ⠆ ⠈⠧⠊⠒ ⠍⠢ '⠅ ⠪⠝ ⠃⠝⠑⠛⠜ ⠅⠗⠕⠻⠏⠞⠊ **(Kaun Banega Crorepati)'** ⠎⠄ ⠾⠔⠧⠔⠏⠗ ⠑⠇⠜⠓⠲ ⠑⠓⠊ "⠅ ⠪⠝ ⠃⠝⠑⠛⠜ ⠅⠗⠕⠻⠏⠞⠊" ⠅⠑⠗ ⠏⠈⠗⠗⠍⠞⠍⠑ ⠑⠅ ⠾⠜ ⠅ ⠆⠾⠑⠎ ⠈⠾⠑ ⠆⠾ ⠁⠍⠊⠞⠜⠘ ⠃⠉⠈⠉⠝ **(Amitabh Bachchan KBC):** ⠎⠜⠍⠝⠑ ⠓⠛⠾ ⠎⠔⠾⠏⠗ ⠃⠌⠎⠇ ⠕⠝⠊ ⠜ ⠃⠊⠛ ⠃⠔ ⠅ ⠆⠾⠑⠎ ⠈⠾⠑ ⠆⠾⠎⠄ ⠎⠧⠜⠇ ⠅⠂ ⠗⠓⠇ ⠌⠝⠊⠝⠲ ⠃ ⠊⠛ ⠃⠔ ⠅ ⠆⠾⠑⠎ ⠈⠾⠑ ⠆⠾⠎⠄ ⠏⠳⠑⠌ ⠌⠝⠊⠝—</u>

https://www.youtube.com/watch?v=r5JS2fZU70U

2

2021

(–11)–

3

2122 / 2122 / 2122 / 212

2122 / 2122 / 2122

[braille]

[braille]

[braille]

[braille] 1222 / 1222 / 1222 / 1222 [braille]

[braille]

[braille]

[braille] 2122 / 2122 / 2122 / 212 [braille]

4

5

6

7

8

9

editorial·staff·videha@gmail·com

३⠲⠏⠙ ⠁⠽ ⠅⠼ ⠁⠫

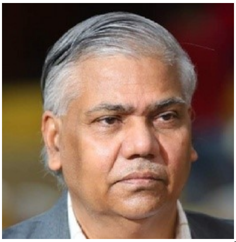
३⠲१⠲⠗⠜⠚ ⠅⠊⠩⠕⠗ ⠍⠊⠩⠁⠗– ⠅⠓⠳, ⠥⠏⠗⠜⠛ ⠙⠊⠁ ⠊ ⠅⠅⠗⠜ ?

३⠲२⠲⠩⠊⠧ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜ ⠾⠊⠇ ⠁⠇⠳ – ३ ⠾⠜ ⠏⠙ ⠁⠽

३⠲३⠲⠎⠍⠞⠜ ⠅⠥⠍⠜⠗⠔– ⠍⠊⠹⠊⠇⠜ ⠓⠍ ⠁⠍⠗

३⠲४⠲⠫⠜ ⠚⠊⠽⠜⠥⠗ ⠗⠓⠍⠜⠝ ⠚⠜⠖⠗⠔– २ ⠾⠜ ⠜⠚⠜⠙ ⠛⠚⠇

३⠲ʃ⠲⠗⠜⠺ ⠅⠊⠩⠕⠗ ⠍⠊⠩⠈⠗– ⠅⠓⠳, ⠥⠏⠗⠜⠛ ⠙⠊⠁⠊ ⠅⠅⠗⠜?



⠗⠜⠺ ⠅⠊⠩⠕⠗ ⠍⠊⠩⠈⠗, ⠗⠊⠾⠜⠝⠗⠈⠫ ⠉⠔⠖ ⠺⠑⠝⠗⠇ ⠍⠌⠝⠑⠺⠗ (⠔), ⠃⠔⠲⠑⠬⠲⠑⠝⠲⠑⠇ ⠲(⠍⠥⠨⠈⠽⠜⠇⠽), ⠙⠊⠇ ⠈⠇⠔,⠛⠜⠍– ⠁⠗⠑⠗ ⠫⠔⠓, ⠏⠕⠲ ⠁⠗⠑⠗ ⠓⠜⠾, ⠍⠮⠥⠃⠝⠔

<u>⠅⠓⠳, ⠥⠏⠗⠜ ⠛ ⠙⠊ ⠌⠝⠈⠓⠊ ⠅⠊ ⠝⠅⠜ ?</u>

—

<u>⠁⠏⠝ ⠍⠰⠞⠧⠈⠽</u>

<u>editorial ⠲staff ⠲videha@gmail ⠲com</u>

<u>⠏⠗ ⠏⠺⠜⠥⠲</u>

<u>३⠲२⠲⠩⠊⠧ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜ ⠾⠊⠇ ⠈⠇⠳ — ३ ⠾⠜ ⠏⠙ ⠈⠽</u>

 ⠩⠊⠧ ⠅⠥⠍⠜⠗ ⠴⠜ ⠾⠊⠇ ⠈⠇⠳

३ ⠾⠜ ⠏⠙ ⠈⠽

ऽ

⠍⠥⠗⠙⠌⠽⠜'⠅⠑ ⠅⠡⠑⠗ ⠍⠑

⠗⠚⠊⠏⠥⠞ ⠩⠜⠎⠝⠅ ⠅⠜⠇ ⠡⠇

२

⠇⠊⠨⠊ ⠇⠊⠨⠊ ⠅' ⠏⠝⠈⠝⠜ ⠖⠜⠟⠌⠞ ⠗⠓⠇⠓⠥⠄

⠝⠔⠅'⠎⠄ ⠝⠔⠅ ⠗⠉⠃⠜⠅ ⠏⠈⠗⠽⠜⠎ ⠚⠑ ⠡⠇

⠅⠊ ⠁⠉⠅⠑ ⠴⠝⠴⠝⠜ ⠥⠺⠇ ⠙⠑⠓

⠇⠜⠛⠊ ⠛⠑⠇ ⠡⠇ ⠍⠕⠚⠗⠅ ⠹⠜⠏⠗

⠫'⠗'⠎⠄ ⠍⠕⠝ ⠁⠏⠎⠈⠽⠜⠰⠞

⠅⠓⠇⠅ ⠓⠔⠽⠜ —⠡⠕⠻⠊ ⠝⠑ ⠙⠊⠽⠪

⠖⠑⠗ ⠇⠊⠨' ⠇⠛⠇⠓⠥⠄ —— ⠁⠞⠥⠅⠜⠰⠞

३

⠁⠧⠊⠗⠇ ⠎⠈⠍⠐⠗⠞⠊ (⠛⠔⠞)

⠃⠔⠞⠇ ⠟⠼ ⠖⠑⠗ ⠣⠥⠗⠊⠅' ⠜⠃ ⠽ ⠕⠅⠗⠑ ⠎ ⠰⠛'⠍⠑ ⠙⠪⠻⠔ ⠁⠽

⠉⠇⠳ ⠎⠨⠔ ⠅⠊⠡⠥ ⠅⠜⠇'⠇⠑ ⠝⠌⠓⠗ ⠅⠑⠇⠃ ⠉⠊⠞⠈⠞⠔ ⠅⠪⠻⠔ ⠁⠽ !

⠏⠈⠗⠑⠍⠅ ⠉⠾⠅⠝ ⠃⠜⠃⠳⠅⠑ ⠓⠜⠹⠑ ⠉⠜⠽ ⠎⠊⠝⠑⠓⠅ ⠫⠰⠾⠜ ⠁⠽

⠉⠇⠳ ⠃⠜⠽⠎⠰⠛ ⠖⠑⠗⠕ ⠅⠗⠃⠌ ⠚⠑ ⠃⠊⠎⠗⠇ ⠕ ⠾⠰⠾⠜ ⠁⠽

⠓⠍⠗⠜ ⠙⠊⠩ ⠞⠄ ⠙⠜⠊ ⠺⠜⠐⠻ ⠡⠹⠊ ⠅⠓⠹⠊ ⠔ ⠏⠕⠞⠔ ⠛⠪⠗⠔ ⠁⠽ !

!

editorial:staff:videha@gmail:com

३.३. [illegible]

 [illegible]

[illegible]

हम मिथिला के वासी ,

बाजब हम्मर मैथिली अछी।

मंडन मिश्र के आंगन में भारती ,

शंकराचार्य के हरौलन अछी।

विद्यापति लेल जहां महादेव ,

उगना बनी ऐला।

एहन मिथिला गाम हम्मर ,

जहां सीता मां जन्म लेला।

थानेश्वर , कुशेश्वर अछी ,

बाबा के धाम ।

उच्चैठ, श्यामा आ अहिल्या ,

माता के स्थान ।

माछ, दही , पान, मखान ,

अछी भोजन प्रधान।

पाग, खराम से होई छइ ,

हम्मर अप्पन पहचान।

कोशी , कमला , बलान बहै ,

झिझरी , कज्री , सामा गीत।

मधुबनी पेंटिंग विश्वविख्यात ,

आ जाट - जट्टीन खेल।

मिथिला हम्मर जन्मभूमि ,

ई हम्मर पहचान अछी।

सदीखन मिथिला आगु बडा,

मनक इच्छा प्रधान अछी।

समता कुमारी

शिक्षिका, समस्तीपुर, बिहार।

|

–⠎⠍⠞⠜ ⠅⠥⠍⠜⠗⠔, ⠩⠊⠟⠊⠅⠜, ⠎⠍⠎⠈⠞⠔⠏⠥⠗,
⠃⠊⠓⠜⠗⠲

⠌ ⠗⠉⠞⠜⠏⠗ ⠈⠏⠝ ⠍⠎⠟⠇⠈⠶
editorial ⠰staff ⠰videha@gmail ⠰com
⠏⠗ ⠏⠺⠜⠥⠲

३⠲४⠲⠫⠜ ⠚⠊⠽⠜⠥⠗ ⠗⠓⠍⠜⠝ ⠚⠜⠖⠗⠔– २ ⠾⠜ ⠜⠚⠜⠙ ⠛⠚⠇



⠫⠜ ⠚⠊⠽⠜⠥⠗ ⠗⠓⠍⠜⠝ ⠚⠜⠖⠗⠔

२ ⠾⠜ ⠜⠚⠜⠙ ⠛⠚⠇

१

⠙⠑⠨⠃ ⠓⠥⠝⠅⠜ ⠗⠳⠏ ⠁⠏⠜⠗

⠅⠗⠃ ⠍⠥⠙⠜ ⠝⠓⠊ ⠓⠥⠝⠅⠜ ⠏⠊⠽⠜⠗

⠗⠜⠮⠜ ⠛⠕⠗⠔ ⠚⠜⠊ ⠗⠓⠇ ⠁⠡⠊

⠚⠓⠜⠄ ⠏⠑ ⠃⠌⠎⠇ ⠝⠰⠙⠅⠥⠍⠜⠗

⠃⠗⠨⠜ ⠍⠑ ⠝⠓⠊ ⠏⠜⠝⠔ ⠞⠝⠊⠅⠕

⠅⠔ ⠏⠈⠗⠅⠐⠗⠞⠊ ⠅⠑ ⠧⠈⠽⠧⠓⠜⠗

⠅⠑⠧⠇ ⠓⠍⠓⠔⠰ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔ ⠃⠜⠚⠃
⠅⠝⠊ ⠅⠗⠳ ⠞⠑ ⠁⠓⠜⠄ ⠧⠊⠉⠜⠗

⠴⠳⠺⠅ ⠙⠊⠇ ⠈⠇⠔ ⠅⠔ ⠃⠜⠚⠌⠞ ⠁⠡⠊
⠗⠕⠚ ⠃ ⠐⠻⠌⠞ ⠁⠡⠊ ⠝⠗⠎⠰⠓⠜⠗

⠓⠍⠓⠥⠄ ⠙⠕⠯⠔ ⠓⠍⠓⠥⠄ ⠙⠜⠛⠔
⠎⠓⠊ ⠗⠓⠇ ⠡⠔ ⠁⠞⠈⠽⠜⠉⠜⠗

⠝⠓⠊ ⠎⠕⠉⠹⠊ ⠓⠍ ⠘⠧⠊⠯⠈⠼⠅ ⠇⠑⠇
⠝⠓⠊ ⠓⠍⠗⠜ ⠍⠑ ⠅⠡⠥ ⠎⠥⠮⠜⠗

२

⠓⠍ ⠃⠜⠚⠌⠞ ⠡⠔ ⠏⠊⠽⠜⠗⠅ ⠛⠏ ⠈⠏
⠅⠕⠝⠕ ⠩⠥⠘ ⠎⠰⠎ ⠈⠅⠜⠗⠅ ⠛⠏ ⠈⠏

⠎⠍⠈⠏⠜⠙⠅⠔⠽ ⠾⠊⠏⠈⠏⠼⠔— ⠚⠊⠽⠜⠥⠗ ⠗⠓⠍⠜⠝
⠚⠜⠖⠗⠔ ⠚⠨⠝ ⠓⠊⠰⠙⠔—⠥⠗⠈⠙⠳⠍⠑ ⠛⠚⠇ ⠇⠊⠨⠌
⠡⠹⠊ ⠶⠨⠝ ⠏⠳⠗⠜ ⠃⠓⠗—⠨⠜⠖⠊⠽⠜ ⠗⠓⠌ ⠡⠝⠊
⠍⠥⠙⠜ ⠓⠥⠝⠅ ⠍⠌⠹⠊⠇⠔⠍⠑ ⠛⠚⠇⠍⠑ ⠇⠓⠗ ⠝⠌
⠗⠓⠌⠑⠲ ⠚⠜⠖⠗⠔ ⠚⠔ ⠑⠅⠾⠜ ⠓⠊⠰⠙⠔ ⠛⠚⠇
⠙⠑⠨⠳⠲ ⠌ ⠛⠚⠇⠍⠑ २ऽ२२–२ऽ२ ⠅⠑⠗ ⠏⠜⠇⠝
⠅⠑⠝⠑ ⠡⠹⠊ ⠓⠗⠑⠅ ⠏⠜⠄ ⠶⠊⠍⠑ ⠜ ⠅⠜⠖⠊⠽⠜ ⠔
⠮⠈⠧⠝⠊ ⠎⠜⠍ ⠈⠽⠶⠜⠅ ⠎⠰⠛ ⠡⠌⠲



– [illegible], [illegible], [illegible], 823001, 9934847941

⠁⠏⠝ ⠍⠰⠞⠧⠈⠽

editorial⠲staff⠲videha@gmail⠲com

⠏⠗ ⠏⠺⠜⠥⠲

8⠲⠖ ⠰⠖ ⠈⠅ ⠐⠗⠞ ⠨⠼ ⠈⠫

४⠲१⠲⠫⠜⠲ ⠙⠔⠏⠊⠅⠜– ⠉⠍⠈⠏⠳⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽⠽⠩⠕
⠧⠊⠇⠜⠎⠠ (⠙⠈⠧⠊⠞⠔⠽⠕⠉⠈⠡⠧⠜⠎⠠)

४⠲१⠲⠫⠜⠲ ⠙⠔⠏⠊⠅⠜– ⠉⠍⠈⠏⠳⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽⠽⠩⠕
⠧⠊⠇⠜⠎⠠ (⠙⠈⠧⠊⠞⠔⠽⠕⠉⠈⠡⠧⠜⠎⠠)

⠉⠍⠈⠏⠳⠎⠜⠒⠊⠞⠈⠽⠽⠩⠕ ⠧⠊⠇⠜⠎⠠

(⠙⠈⠧⠊⠞⠔⠽⠕⠉⠈⠡⠧⠜⠎⠠)



⠫⠜⠲ ⠙⠔⠏⠊⠅⠜

(⠎⠈⠧⠞⠝⠈⠞⠈⠗⠇⠑⠸⠊⠅⠜ ⠧⠑⠙⠧⠞⠔—
⠍⠓⠜⠧⠊⠙⠈⠼⠜⠇⠟⠌⠈⠾
⠏⠈⠗⠜⠅⠈⠞⠝⠏⠈⠗⠜⠮⠈⠽⠜⠏⠊⠅⠜ ⠉)

⠉⠍⠈⠏⠳⠎⠜⠓⠊⠞⠈⠽⠚⠛⠞⠊
⠜⠉⠜⠗⠈⠽⠞⠈⠗⠊⠧⠊⠅⠈⠗⠍⠘⠾⠈⠾⠎⠈⠼ ⠝⠇⠉⠍⠈⠏⠳—
⠝⠜⠉⠎⠑⠽⠠ ⠛⠈⠗⠝⠈⠹⠠ ⠏⠈⠗⠹⠍⠰
⠉⠍⠈⠏⠳⠅⠜⠧⠈⠽⠍⠈ ⠁⠎⠈⠞⠊ ⠊⠞⠊ ⠏⠈⠗⠹⠊⠞⠠
⠑⠧⠲ ⠙⠩⠍⠩⠞⠜⠃⠈⠙⠈⠽⠜⠍⠈ ⠁⠎⠈⠽
⠛⠈⠗⠝⠈⠹⠎⠈⠽ ⠗⠉⠝⠜ ⠚⠜⠞⠜⠲ ⠁⠎⠈⠍⠊⠞⠈
⠛⠈⠗⠝⠈⠹⠑ ⠍⠳⠇⠞⠠
⠞⠈⠗⠊⠧⠊⠅⠈⠗⠉⠘⠾⠈⠾⠗⠉⠊⠞⠜⠠ ⠎⠏⠈⠞—
⠥⠉⠈⠡⠧⠜⠎⠜⠠ ⠧⠗⠈⠞⠝⠈⠞⠑⠲ ⠑⠧⠰
⠚⠝⠩⠈⠗⠥⠞⠊⠠ ⠧⠗⠈⠞⠞⠑ ⠽⠞⠈
⠜⠉⠜⠗⠈⠽⠞⠈⠗⠊⠧⠊⠅⠈⠗⠍⠘⠾⠈⠾⠠ ⠧⠜⠛⠈⠙⠑⠧⠔
⠅⠐⠗⠏⠜⠧⠩⠜⠞⠈ ⠎⠏⠈⠞—
⠥⠉⠈⠡⠧⠜⠎⠏⠗⠈⠼⠝⠈⠞⠍⠑⠧ ⠇⠑⠨⠝⠰

⠝⠜⠎⠈⠞⠊ ⠎⠜ ⠝⠛⠗⠔ ⠽⠞⠈⠗ ⠝ ⠧⠜⠏⠔ ⠝
⠏⠽⠕⠮⠗⠜⠲

⠙⠐⠗⠩⠈⠽⠞⠑ ⠝ ⠉ ⠽⠞⠈⠗ ⠎⠈⠞⠈⠗⠔
⠝⠧⠜⠏⠔⠝⠏⠽⠕⠮⠗⠜⠲⠲

⠁⠏⠊ ⠉

⠘⠧⠝⠈⠞⠊ ⠖⠜⠇⠈⠛⠥⠝⠑ ⠧⠐⠗⠟⠩⠜⠨⠜
⠧⠊⠏⠇⠈⠇⠧⠜⠠⠲

⠚⠜⠽⠝⠈⠞⠑ ⠝ ⠞⠥ ⠇⠕⠅⠎⠈⠽ ⠅⠙⠜⠏⠊ ⠝
⠧⠊⠏⠇⠈⠇⠧⠜⠠⠲⠲

⠥⠅⠈⠞⠧⠗⠈⠼⠝⠰ ⠝ ⠅⠑⠧⠇⠰
⠞⠞⠈⠅⠜⠇⠔⠝⠘⠜⠗⠞⠎⠈⠽ ⠧⠌⠩⠊⠯⠈⠾⠽⠰
⠏⠈⠗⠎⠈⠞⠪⠞⠊⠲ ⠎⠍⠎⠜⠍⠽⠊⠅⠗⠜⠯⠈⠾⠈⠗⠎⠈⠽
⠧⠊⠝⠊⠗⠈⠍⠜⠼⠍⠈ ⠁⠏⠊ ⠥⠅⠈⠞⠮⠗⠜⠞⠇⠑ ⠑⠧
⠅⠗⠈⠞⠥⠰ ⠩⠅⠈⠽⠞⠑ ⠊⠞⠊ ⠝⠊⠩⠈⠉⠏⠈⠗⠉⠍⠈⠲
⠜⠗⠈⠽⠜⠧⠗⠈⠞⠎⠈⠽

⠙⠑⠩⠠ ⠏⠥⠼⠈⠽⠞⠍⠕⠙⠈⠙⠑⠩⠠ ⠅⠎⠈⠽⠜⠎⠪ ⠝
⠏⠈⠗⠊⠽⠕ ⠘⠧⠑⠞⠈⠲

⠽⠥⠅⠈⠞⠕⠂⠝⠥⠅⠈⠗⠕⠩⠎⠰⠏⠝⠈⠝⠌⠗⠈⠽⠕ ⠚⠝⠌⠗⠊⠧
⠽⠕⠚⠝⠌⠠⠲⠲

(⠁⠝⠥⠧⠗⠈⠞⠞⠑)

editorial⠲staff⠲videha@gmail⠲com

